न्यूज़ बुलेटिन :

सन्मार्ग

वर्ष–2 अंक–14

कालीचरण पी0जी0 कॉलेज, लखनऊ की प्रस्तुति

मासिक – फरवरी, 2024

सत्र का उद्देश्य

- पढ़ने और सीखने की प्रवृत्ति को रूचिकर बनाना
- शिक्षा को रोजगारोन्मुख बनाना
- देश और मानवता के हित में अपने को योजित करना
- नैतिक और धार्मिक मूल्यों का अवगाहन

प्रबन्धक
इं0 वी0 के0 मिश्र

प्राचार्य
प्रो0 चन्द्र मोहन उपाध्याय

सम्पादकीय

सम्पादक
राजीव यादव

उप–सम्पादक
नितिन कुमार सिंह

सहयोग
पुष्पेन्द्र कुमार

कालीचरण पी०जी० कॉलेज

हरदोई रोड, चौक, लखनऊ–226003
(लखनऊ विश्वविद्यालय)

Events at College

महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन : 05फरवरी,2024 को महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना के गतिविधियों द्वारा व्यक्तित्व विकास और समाज सेवा के लिए प्रेरित किया गया। चारों इकाईयों के कार्यक्रम अधिकारियों ने इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य एवं महत्व को समझाया तथा स्वयंसेवकों के प्रश्नों का उत्तर भी दिया। साथ ही साथ वर्ष भर आयोजित की जाने वाली गतिविधियों से भी सभी को अवगत कराया गया।

इस दौरान चारों इकाइयों के कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अल्का द्विवेदी, डॉ0 मुकेश कुमार मिश्रा, श्री राजकुमार सिंह, डॉ0 शिव कुमार और सभी स्वयं सेवक उपस्थित रहे।

उद्यमिता एवं ग्रामीण विषय पर 'राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम' अधिकारियों के साथ 'प्लेज सेरेमनी' कार्यक्रम का आयोजन किया गया : महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी एवं स्वयं सेवकों ने दिनांक 07 एवं 8 फरवरी, 2024 को डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्रविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ के उद्यमिता एवं ग्रामीण विकास कान्क्लेव (ई0आ0सी0–2024) के कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम में मंत्रालय के निर्देशानुसार दिनॉक 7 फरवरी, 2024 को उद्यमिता एवं ग्रामीण विषय पर 'राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम' अधिकारियों के साथ अपराह्न 10:00 से 12:30 बजे मध्य 'प्लेज सेरेमनी' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के पश्चात् 8 फरवरी, 2024 को स्वयंसेवकों को उद्यमिता एवं ग्रामीण विषय पर विशेष जानकारी दी गई। स्वयंसेवकों को प्रश्नों के माध्यम से जानकारी हासिल कराई गई, जिसमें महाविद्यालय के छात्रों ने अपनी बुद्धिमत्ता से सभी प्रश्नों का जवाब दिया और उद्यमिता एवं ग्रामीण विकास के लिये सबकों जागरूक करने का संकल्प लिया।

इस कार्यक्रम में सभी कार्यक्रम अधिकारी उपस्थित रहे।

राइटिंग रिसर्च पेपर्स एंड प्रोजेक्ट मेकिंग विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला :

कालीचरण पी0जी0 कॉलेज, 'रिसर्च एण्ड डेवलेपमेंट सेल' की ओर से 12 और 13 फरवरी, 2024 को 'राइटिंग रिसर्च पेपर्स एण्ड प्रोजेक्ट मेकिंग' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न हुई। मुख्य अतिथि प्रो0 ए0के0 वर्मा और विशिष्ट अतिथि प्रो0 संजय कुमार, डॉ0 धर्मेन्द्र कुमार श्रीवास्तव व नवयुग कन्या महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो0 मंजुला उपाध्याय उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रबंधक वी0के0 मिश्र ने की। मुख्य अतिथि प्रो0 ए0के0 वर्मा ने पावर प्वाइंट

प्रस्तुतिकरण के माध्यम से शोध पेपर के लेखन में विषय के चयन से लेकर, शोध की विधि, क्षेत्र विशेष में रूचि, तथ्यों का संग्रह, विश्लेषण एवं तार्किक अनुसंधान की आवश्यकता को विस्तार से बताया। प्रो0 संजय कुमार ने शोध पत्र लेखन में नैतिकता, प्रोजेक्ट लेखन और विभिन्न प्रोजेक्ट फंडिंग एजेंसियों के बारे में बताया। डॉ0 धर्मेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने प्लेजरिज्म और नई शिक्षा नीति के बारे में विस्तृत व्याख्यान दिया इस दो दिवसीय कार्यशाला में विभिन्न महाविद्यालयों से 65 प्राध्यापक, 70 शोधार्थी और 45 परास्नातक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 चन्द्र मोहन उपाध्याय और प्रो0 मीना कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया और मंच संचालन डॉ0 अरूण कुमार यादव ने किया।

कालीचरण पी0जी0 कॉलेज में बृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया:

कालीचरण पी0जी0 कॉलेज, लखनऊ में 27.02.2024 को कालीचरण पी0जी0 कॉलेज तथा महेन्द्रा स्किल्स ट्रेनिंग एण्ड डेवलेपमेंट प्रा0 लि0 व BOSCH India Foundation के संयुक्त तत्वाधान में कालीचरण पी0जी0 कॉलेज में बृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस रोजगार मेले का उद्घाटन महाविद्यालय के प्रबंधक इं0 वी0के0 मिश्र ने किया तथा प्रबंधक महोदय ने इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए महेन्द्र स्किल के प्रतिनिधि अवनीश दीक्षित एवं BOSCH कम्पनी के प्रतिनिधि रोहित गुप्ता को धन्यवाद दिया। साथ ही विद्यार्थियों के लिए महाविद्यालय में ऐसे रोजगार मेले आयोजित कराने का आश्वासन दिया जिससे महाविद्यालय के विद्यार्थियों को रोजगार भी मिलता रहे। प्राचार्य प्रो0 चन्द्र मोहन उपाध्याय ने रोजगार मेंले में आयी हुई कम्पनियों के प्रतिनिधियों का स्वागत किया एवं महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं को चयनित होने के लिए शुभकामनाएं दी। इस रोजगार मेले में कुल 14 कम्पनियॉ सामिल हुई जिसमें प्रमुख महेन्द्रा स्किल्स, महेन्द्रा कम्फर्ट, एस0बी0आई लाइफ, हेल्थ केयर, जीनियस कस्लटेंट, शिवा इण्टरप्राइज़ेज, एच0डी0बी0, वी विन आदि हैं। रोजगार मेले में कुल 500 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया, जिसमें से 295 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जिसमें विभिन्न कम्पनियों ने 141 विद्यार्थियों को चयनित किया गया।

Teachers Corner

कैशलेस अर्थव्यवस्था : एक अवलोकन

डॉ0 शिवकुमार
सहायक आचार्य, वाणिज्य विभाग

नीति आयोग ने हाल ही में कहा कि 'आने वाले 3–4 वर्षों में डेबिट कार्ड्स और एटीएम आदि झंझट खत्म हो जाएगा और ऑनलाइन पेमेंट और रिसीप्ट में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिलेगी।' विदित हो कि विमुद्रीकरण के बाद से ही कैशलेस अर्थात नकदी–रहित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिये सरकार प्रतिबद्ध नज़र आ रही है। यह आवश्यक भी है क्योंकि भारत में सबसे ज्यादा नकदी संचालन में है। नकद संचालन में भारतीय रिजर्व बैंक और वाणिज्यिक बैंकों का सलाना खर्च लगभग 21,000 करोड़ रूपए आता है।

कैशलेस अर्थव्यवस्था

जब किसी अर्थव्यवस्था में नकदी का प्रवाह न के बराबर हो जाए तथा सभी लेन–देन डेबिट एवं क्रेडिट कार्ड, तत्काल भुगतान सेवा (Immediate Payment Service-IMPS) राष्ट्रीय इलेक्ट्रानिक फंड्स ट्रांसफर (National Electronic Funds Transfer-NEFT) और रीयल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (Real Time Gross Settlement-RTGS) जैसे भुगतान माध्यमों से होने लगे तो यह स्थिति कैशलेस अर्थव्यवस्था के रूप में परिभाषित की जाती है।

कैशलेस लेन–देन के प्रकार

- **मोबाइल वॉलेट :**

मोबाइल वॉलेट स्मार्टफोन में मौजूद एक वर्चुअल वॉलेट है, जिसमें पैसे डिजिटल मनी के रूप में रखे जाते हैं। दूसरे शब्द में कहे तो यह एक डिजिटल पर्स है जिसमें पैसे को निकालकर लेन–देन और भुगतान किया जा सकता है।

- **प्लास्टिक मनी :**

प्लास्टिक मनी का तात्पर्य प्लास्टिक से बने उन कार्ड्स जैसे डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, एटीएम कार्ड आदि से है जिनका इस्तेमाल भुगतान आदि के लिये किया जा सकता है। प्लास्टिक मनी के प्रयोग से कैशलेस अर्थव्यवस्था को बल तो मिलता ही है साथ में नकदी लेकर चलने की झंझट से भी मुक्ति मिल जाती है।

- **नेट बैंकिंग :**

किसी भी बैंक द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं का कम्प्यूटर, मोबाइल या किसी अन्य यन्त्र के माध्यम से इंटरनेट के जरिये प्रयोग करना बैंकिंग कहलाता है। इसके लिये बैंक वेबसाइट और मोबाइल एप बनाकर उसे अपने ग्राहकों को इंटरनेट के माध्यम से उपलब्ध करवाते हैं।

तत्काल भुगतान सेवा (Immediate Payment Service-IMPS) राष्ट्रीय इलेक्ट्रानिक फंड्स ट्रांसफर (National Electronic Funds Transfer-NEFT) और रीयल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (Real Time Gross Settlement-RTGS) नेट बैंकिंग के तहत आने वाली भुगतान प्रणालियाँ हैं।

- **यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस :**

एकीकृत भुगतान इंटरफेस (Unified Payment Interface-UP) राष्ट्रीय भुगतान निगम (National Payment Corporation of India) द्वारा आरंभ की गई लेन–देन की एक नई प्रणाली है जो वर्चुअल पेमेंट एड्रेस (Virtual Payment Address-VPA) का उपयोग कर धन का त्वरित हस्तांतरण सुनिश्चित करती है। यह भुगतान का एक ऐसा माध्यम है जो सातों दिन चौबीसों घंटे कार्य करता है। इस सेवा का लाभ बिना किसी इंटरनेट कनेक्टिविटी के भी उठाया जा सकता है। इससे धन के लेन–देन में नकदी का चलन कम हो जाएगा तथा व्यापारिक भुगतान सरल सुरक्षित एवं पारदर्शी हो जाएगा।

- **पेमेंट बैंक :**

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा दो प्रकार के लाइसेंस जारी किये जाते हैं : सार्वभौमिक बैंक लाइसेंस (Universal Bank License) और विभेदित बैंक लाइसेंस (Differentiated Bank License)। एक पेमेंट बैंक, विभेदित बैंक लाइसेंस प्राप्त बैंकों की श्रेणी में आता है। पेमेंट बैंक एक विशेष प्रकार के बैंक हैं, जिन्हें कुछ सीमित बैंकिंग क्रियाकलापों की अनुमति है। इन बैंकों का उद्देश्य प्रवासी श्रमिक वर्ग, निम्न आय अर्जित करने वाले परिवारों, लघु कारोबारों, असंगठित क्षेत्र की अन्य संस्थाओं को सेवा प्रदान कर अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना है।

कैशलेस अर्थव्यवस्था के लाभ

- **टैक्स चोरी पर रोक :**

यदि अर्थव्यवस्था कैशलेस होती है तो टैक्स चोरी की घटनाओं में उल्लेखनीय रूप से कमी आएगी। ऐसा इसलिए क्योंकि प्रत्येक कैशलेस लेन–देन के प्रमाण डेटाबेस में अंकित हो जाते हैं, जिससे किसी भी व्यक्ति की वास्तविक आय से संबंधित आँकड़े जुटाने में आसानी होती है।

- **काले धन पर रोक :**

कैशलेस समाज का एक मुख्य लाभ यह है कि इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के जरिये किये गए आर्थिक लेन–देन काले धन के बाज़ार को खत्म कर सकता है। नकदी आधारित अर्थव्यवस्था में काला धन इकट्ठा करना, नशीली दवाओं की तस्करी, मानव तस्करी, आतंकवाद, जबरन वसूली आदि जैसे आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देना आसान बन जाता है। कैशलेस अर्थव्यवस्था इन से मुक्ति दिलाने में सहायक सिद्ध होगी।

- **बैंकिंग सेवाओं तक व्यापक पहुँच :**

यह प्रयास सभी को बैंकिंग सेवाओं की सार्वभौमिक उपलब्धता सुनिश्चित करने में अत्यंत ही सहायक होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि इस व्यवस्था में बैंकिंग सेवाओं के विस्तार हेतु बुनियादी ढाँचा खड़ा करने के बजाय बस एक दिन डिजिटल स्ट्रक्चर होगी।

- **लागत में कमी :**

बैंकिंग सेवा प्रदान करने हेतु किसी स्थान विशेष पर पहुँचने की शर्त खत्म हो जाएगी, इससे ट्रांजेक्शनल (लेन–देन संबंधी) मूल्य के साथ–साथ ट्रांसपोर्ट खर्च में भी कमी आएगी। कैशलेस लेन–देन बढ़ेता तो रिजर्व बैंक को कम नोट छापने होंगे जिससे नोटों की छपाई पर आने वाली भारी लागत को कम किया जा सकता है। साथ ही एटीएम को सुचारू रूप से चालू रखने में बैंकों का होने वाला खर्च भी कम होगा।

- **योजनाओं की दक्षता में वृद्धि :**

जनता के कल्याण हेतु चलाए जा रहे कई कार्यक्रमों की दक्षता बढेगी, क्योंकि पैसे बिचौलियों के हाथ में जाने के बजाय इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से सीधे लोगों के बैंक अकाउंट में पहुँचेगा।

कैशलेस अर्थव्यवस्था की राह में चुनौतियाँ :

- **अधिकांश जनसंख्या 'बैंकिंग नेट' के बाहर :**

वर्ष 2015–16 आर्थिक समीक्षा के अनुसार बचत कार्यों के संबंध में पूरे देश में बैंकिंग गतिविधियों तक मात्र 46 प्रतिशत लोगों की पहुँच है। जन–धन योजना लागू होने के पश्चात् बड़ी संख्या में बैंक अकाउंट तो खुल गए लेकिन अधिकांश खातों से कोई लेन–देंन नहीं हो रहा। कैशलेस अर्थव्यवस्था के निर्माण हेतु यह आवश्यक है कि इन खातों को क्रियाशील बनाए जाए अर्थातृ इनसे कुछ लेन–देन हो।

- **असंगठित क्षेत्र का प्रभाव :**

यदि जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा बैंकिंग नेट के दायरे में आ भी जाए तो कैशलेस होन की मुहिम शायद ही सफल हो, क्योंकि देश की एक बड़ी आबादी असंगठित क्षेत्र (Informal Sector) में कार्य करने को अभिशप्त है। यहाँ होने वाला अधिकांश लेन–देन नकदी में ही किया जाता है। ऐसे में किसी से यह उम्मीद वॉलेट का प्रयोग करेगा तो यह बेईमानी होगी।

- **साइबर सुरक्षा का मुद्दा :**

विदित हो कि अक्टूबर 2016 में 30 लाख से अधिक डेबिट कार्डों का विवरण चोरी हो गया था और यह हमारी कमज़ोर साइबर सुरक्षा का एक उदाहरण है। आज देशों के बीच साइबर युद्ध चल रहा है और भारत में साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने के बुनियादी सुविधाओं तक का अभाव है। ऐसे में यदि भारत की सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था कैशलेस हो जाती है तो हमें अपनी साइबर सुरक्षा को भी मज़बूत बनाना होगा।

- **नेटवर्क कनेक्टिविटी और इंटरनेट की लागत :**

ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्शन की अनुपलब्धता या विफलता भारत में आम बात है। इसके अलावा भारत में इंटरनेट की लागत अब भी काफी अधिक है। कार्ड पर शुल्क, ऑनलाइन लेन–देन वे अतिरिक्त शुल्क है जो विक्रेताओं द्वारा लगाए जाते हैं। डेबिट कार्ड पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट भारत में बहुत अधिक है। लोगों में कम्प्यूटर साक्षरता अभी भी कम है। इसके अलावा लोग लेन–देन के लिए इलेक्ट्रॉनिक पद्धति का उपयोग करने के लिए आशंकित हैं।

वर्तमान स्थिति

- नीति आयोग का यह अनुमान है कि आने वाले कुछ वर्षों में एटीएम और कैश आदि की झंझटे खत्म हो जाएंगी अतिश्योक्तिपूर्ण नहीं है।
- आज यहाँ डेबिट और क्रेडिट कार्ड, खुदरा डिजिटल भुगतान के प्रमुख स्रोत बने हुए हैं वहीं यूपीआई और 'प्रीपेड भुगतान (पीपीआई) के जरिये लेन–देन भी अब ज़ोर पकड़ रहा है।
- क्रेडिट या डेबिट कार्ड के जरिये मोबाइल वॉलेट में पैसे रखना और उन्हें फिर अपनी आवश्यकता अनुसार खर्च करना तथा अन्य तरह के प्रीपेड भुगतान प्रणाली है, जिसके आधार पर ही भीम एप काम करता है।
- आसान शब्दों में कहें तो यदि किसी व्यक्ति द्वारा पेटीएम वॉलेट से पेमेंट किया गया है तो वह पीपीआई, जबकि भीम एप से किया गया भुगतान का उदाहरण हैं।
- यूपीआई के ज़रियें होने वाला लेन–देन जनवरी में 4.2 मिलियन से बढ़कर सितंबर 2017 में 30 मिलियन हो चुका है, जबकि पीपीआई के ज़रियें होने वाला लेन–देन 87 मिलियन है। सार यह है कि अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण की गति संतोषजनक कही जा सकती है।

निष्कर्ष –

कैशलेस अर्थव्यवस्था की डगर मुश्किल तो है लेकिन सरकार भीम एप, लकी ग्राहक योजना, डिजी बैंक योजना आदि जैसे विभिन्न उपाय भी कर रही है। कैशलेस इंडिया एक ऐसा विचार है जिसको व्यावहारिक रूप में अपनाने का उचित समझ आ गया है। लेकिन, इसके लिये कारगर उपाय करने होंगे, ताकि भारतीय अर्थव्यवस्था को और भी अधिक गतिमान और वृद्धिशाली बनाया जा सके।

.....

Kalicharan in Newspaper

शोध पत्र लिखने की बारीकियां सीखीं

लखनऊ। कालीचरण पीजी कॉलेज में सोमवार को दो दिवसीय शोधपत्र लेखन कार्यशाला शुरू हुई। मुख्य वक्ता व अतिथि स्तंभकार प्रो. अनिल कुमार ने पावरप्वॉइंट प्रजेंटेशन के जरिये विषय के चयन से लेकर शोध की विधि, क्षेत्र विशेष में रूचि, तथ्यों का संग्रह, विश्लेषण और तार्किक अनुसंधान की आवश्यकता बताई। विशिष्ट अतिथि प्रो. संजय कुमार, डॉ. धर्मेंद्र श्रीवास्तव और नवयुग कॉलेज की प्राचार्य प्रो. मंजुला उपाध्याय रहीं। प्रबंधक इं. वीके मिश्र और प्राचार्य प्रो. चंद्रमोहन उपाध्याय मौजूद रहे। 200 प्रतिभागियों ने कार्यशाला में भाग लिया। (संवाद)

रोजगार मेले में 141 विद्यार्थियों का चयन

लखनऊ। चौक स्थित कालीचरण पीजी कॉलेज में रोजगार मेले का आयोजन हुआ। एक दर्जन से ज्यादा कंपनियों ने प्रतिभाग किया। 141 विद्यार्थियों को चयनित किया गया। कालीचरण पीजी कॉलेज, महिंद्रा स्किल्स ट्रेनिंग एंड डेवलेपमेंट और बोस इंडिया फाउंडेशन की ओर से बड़े स्तर पर रोजगार मेले का आयोजन किया गया। प्राचार्य प्रो. चंद्रमोहन उपाध्याय ने बताया कि रोजगार मेले में कुल 14 कंपनियां शामिल हुईं।

बताए शोध पेपर लेखन में विषय के चयन के तरीके

जासं, लखनऊ: कालीचरण पीजी कालेज में सोमवार को 'राइटिंग रिसर्च पेपर्स एंड प्रोजेक्ट मेकिंग' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत हुई।

कालीचरण पीजी कालेज में दो दिवसीय कार्यशाला शुरू

मुख्य अतिथि प्रो. अनिल कुमार वर्मा और विशिष्ट अतिथि प्रो. संजय कुमार, डा. धर्मेंद्र कुमार श्रीवास्तव व नवयुग कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. मंजुला उपाध्याय उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रबंधक वीके मिश्र ने की।

मुख्य अतिथि प्रो. अनिल कुमार वर्मा ने पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से शोध पेपर के लेखन में विषय के चयन से लेकर शोध की विधि, क्षेत्र विशेष में रुचि, तथ्यों का संग्रह, विश्लेषण एवं तार्किक अनुसंधान की आवश्यकता को विस्तार से बताया। कार्यशाला में 200 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्राचार्य प्रो. चंद्र मोहन उपाध्याय ने बताया कि मंगलवार को प्रोजेक्ट बनाए जाने पर प्रस्तुतीकरण दिया जाएगा।

कालीचरण कॉलेज के 141 छात्रों को मिला रोजगार

अमृत विचार, लखनऊ : कालीचरण पीजी कॉलेज में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के प्रबंधक द्वारा किया गया।कालीचरण पीजी कॉलेज में आयोजित रोजगार मेले का उद्घाटन करते हुए महाविद्यालय के प्रबंधक इं वीके मिश्र द्वारा छात्रों को प्रोत्साहित किया गया। ऐसे में प्राचार्य प्रो . चन्द्र मोहन उपाध्याय ने रोजगार मेले में आए कम्पनियों के प्रतिनिधियों और छात्रों के बीच संवाद स्थापित कराया। रोजगार मेले में कुल 14 कंपनियां सम्मिलित हुईं। मेले में कुल 500 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया, जिसमें से 295 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जिसमें विभिन्न कम्पनियों ने 141 विद्यार्थियों को चयनित किया।

Camp

न्यूज डायरी

कालीचरण कॉलेज : 141 को मिली नौकरी

लखनऊ। कालीचरण पीजी कॉलेज में मंगलवार को महेंद्रा स्किल्स ट्रेनिंग एंड डवलपमेंट प्रा. लि. और बोस इंडिया फाउंडेशन लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले में 14 कंपनियों ने 141 अभ्यर्थियों का नौकरी के लिए चयन किया। प्राचार्य प्रो. चंद्रमोहन उपाध्याय ने बताया कि रोजगार मेले में महेन्द्रा स्किल्स, महेन्द्रा कम्फर्ट, एसबीआई लाइफ, हेल्थ केयर, जीनियस कस्लटेंट, शिवा इंटरप्राइजेज, एचडीबी व वी विन ने 500 विद्यार्थियों का साक्षात्कार लिया। रोजगार मेले में बीए के छात्र शिवम मिश्रा ने सर्वाधिक 1.8 लाख का पैकेज प्राप्त किया। बीकॉम के छात्र मो. अर्शलान और बीए के मो. वकील का 1.5 लाख वार्षिक पैकेज पर चयन हुआ। बीएलआईसी की छात्रा श्रेया अवस्थी व बीएससी की छात्रा अदिति ने भी को भी अच्छे पैकेज पर नौकरी मिली। प्रबंधक इंजी. वीके सिंह ने सभी को शुभकामनाएं दीं। (संवाद)

रोजगार मेले में 41 कंपनियों ने 141 विद्यार्थियों का किया चयन

जासं, लखनऊ : कालीचरण पीजी कालेज में मंगलवार को वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इसका का उद्घाटन कालेज के प्रबंधक वीके मिश्र ने किया। महेंद्रा स्किल्स ट्रेनिंग एंड डेवलेपमेंट प्राइवेट लिमिटेड व बोस्च इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में रोजगार मेले में 41 कंपनियों के प्रतिनिधि छात्र-छात्राओं का प्लेसमेंट करने पहुंचे।

प्राचार्य प्रो. चंद्र मोहन .उपाध्याय ने बताया कि रोजगार मेले में महेंद्रा स्किल्स, महेंद्रा कंफर्ट, एसबीआइ लाइफ, हेल्थ केयर, जीनियस कस्लटेंट, शिवा इंटरप्राइजेज, एचडीबी सहित कई प्रमुख कंपनियां शामिल रहीं। मेले में कुल 500 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया, जिसमें से 295 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। विभिन्न कंपनियों ने 141 विद्यार्थियों को चयनित किया। इनमें बी.ए के छात्र शिवम मिश्रा ने

लवि : दो व तीन मार्च को लगेगा रोजगार मेला

श्रम एवं सेवायोजन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दो व तीन मार्च को लखनऊ विश्वविद्यालय में कौशल महोत्सव (वृहद रोजगार मेला) लगाया जाएगा। इसमें विभिन्न कंपनियां छात्र-छात्राओं को प्लेसमेंट के अवसर उपलब्ध कराएंगी। कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि रोजागार मेला श्रम एवं सेवायोजन विभाग लगा रहा है। लवि ने इसके लिए पुराने परिसर स्थित छत्रपति शिवाजी ग्राउंड निशुल्क आवंटित किए जाने की स्वीकृति दी है।

सर्वाधिक 1.8 लाख पैकेज पर चयन प्राप्त किया। बी.काम के छात्र मो. अर्शलान, बी.ए के मो. बकील का 1.5 लाख के सालाना पैकेज पर चयन , हुआ। बी.एल.आइ.एस.सी की छात्रा ऐश्वर्या व सृष्टि, बी.एससी की श्रेया अवस्थी, आदिति का भी चयन हुआ।

फटाफट खबरें

कालीचरण पीजी के 141 स्टूडेंट का चयन

■ एनबीटी सं., लखनऊः चौक स्थित कालीचरण पीजी कॉलेज में महिंद्रा स्किल्स ट्रेनिंग एंड डेवलेपमेंट और बोस इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से मंगलवार को रोजगार मेला लगाया गया। इसमें 141 स्टूडेंट्स का चयन किया गया। प्राचार्य प्रो. चंद्रमोहन उपाध्याय ने बताया कि मेले में महिंद्रा स्किल्स, महिंद्रा कम्फर्ट, एसबीआई लाइफ, हेल्थ केयर, जीनियस कंसल्टेंट, शिवा इंटरप्राइजेज, एचडीबी, वी विन समेत कुल 14 कंपनियां शामिल हुईं।